वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 34 | बुधवार 29 मई 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

जयपुर में गर्मी ने 10 साल का रिकॉर्ड तोड़ा:46.6 डिग्री पहुंचा पारा

माउंट आबू के दिन से ज्यादा गर्म रही पिंकसिटी की रात

जयपुर. कासं

जयपुर में मंगलवार को तापमान 46.6 डिग्री रिकॉर्ड किया गया जो पिछले 10 साल के मुकाबले सबसे ज्यादा है। गौरतलब है कि जयपुर में मई महीने का अब तक का सबसे ज्यादा तापमान 92 साल पहले 1932 में 47.7 डिग्री दर्ज हुआ था। इसके साथ ही जयपुर में रात का तापमान 33.3 डिग्री रिकॉर्ड किया गया था। जो माउंट आबू के दिन के तापमान 33 डिग्री से ज्यादा रहा। जयपुर 46.6 डिग्री तापमान के साथ राज्य का 8वां सबसे गर्म जिला रहा। गर्मी के कारण एक युवक की मौत हो गई। जयपुर में अलग-अलग जगह गर्मी से बीमार हुए लोगों को एसएमएस हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया। तेज गर्मी से राहत के लिए प्रशासन ने जगह-जगह स्मोक गन की मदद से पानी की फुहार छोड़ी गई। वहीं, मौसम विभाग ने भी अगले 24 घंटे के लिए जयपुर में तेज गर्मी का अलर्ट जारी किया है। मंगलवार को 22 साल का युवक कपिल जयपुर में एग्जाम देने आया था। एग्जाम देकर कॉलेज से बाहर निकलते वक्त बेहोश हो गया। इसके बाद जयपुरिया हॉस्पिटल के डॉक्टर ने युवक को मृत घोषित कर दिया। डॉक्टर का कहना है कि प्रथम दृष्टया गर्मी से तबीयत खराब होने माना जा रहा है। वहीं, जयपुर में अलग-अलग जगह तीन लोगों की तबीयत बिगड़ गई। तीनों को एसएमएस अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। इनमें कल्याण जी का रास्ता निवासी लालचंद वर्मा, नाडी का फाटक निवासी विनोद और कालवाड़ रोड निवासी श्याम सिंह शामिल हैं।

भीषण गर्मी मे आंगनबाड़ी महिलाओं के पास छत तक नहीं

जयपुर में भीषण गर्मी के अलर्ट के बीच आंगनबाड़ी केंद्रों पर बच्चों और महिलाओं के लिए छत तक नहीं है। यहां जवाहर नगर के टीला नंबर 1 से 7 के आंगनबाड़ी केंद्रों पर सिर्फ तिरपाल लगा है। आंगनबाड़ी की महिलाओं को इसी तिरपाल के नीचे बैठकर बच्चों को टीका लगाना पड़ता है। साथ ही रुटीन काम करना पड़ता है। आगनबाड़ी संचालिका लक्ष्मी सैन ने बताया कि हमारा

किराए का कोटा सिर्फ 750 रुपए है। इसमें सिर्फ बैठने की जगह मिलती है। न बिजली होती है। न ही छत होती है। टीला नंबर 1 मुकेश नगर में एक डिस्पेंसरी मिली है। यहां लाइट नहीं रहती है। आंगनबाड़ी संचालिका सुनीता ने बताया- हमने हमारे खर्चे पर लाइट ले रखी है। 4 महिलाएं 100-100 रुपए देकर लाइट का भुगतान करते हैं।

भीषण गर्मी के तांडव से बचाव के लिए नेहरू अस्पताल में किए गए विशेष इंतजाम

भीषण गर्मी के दौर में तापमान 48 डिग्री के आसपास पहुंच चुका है तथा इस कारण मरीजों की संख्या भी प्रतिदिन बढ़ती जा रही है।

अजमेर. कंचन केसरी

मौजूदा दौर में भीषण गर्मी के तांडव में बीमार होने वाले मरीजों को उपचार के लिए नेहरू अस्पताल प्रशासन ने विशेष इंतजाम किए है। इन दिनों अस्पताल में हीट वेव के मरीजों की संख्या निरंतर बढ रही है तथा अस्पताल में भीड़ उमड़ रही है। भीषण गर्मी के दौर में तापमान 48 डिग्री के आसपास पहुंच चुका है तथा इस कारण मरीजों की संख्या भी प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। नेहरू अस्पताल के नियंत्रक व मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ वीर बहादुर सिंह ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि नेहरू अस्पताल के आपातकालीन यूनिट में गर्मी से पीड़ित मरीजों के लिए अलग से काउंटर का इंतजाम किया गया है। जहां चौबीस

घंटे सीनियर मेडिसिन डाक्टर व रेजिडेन्ट डाक्टर अपनी सेवाएं देंगे। सीनियर नर्सिंग स्टाफ को भी अलग से लगाया गया है। उन्होंने बताया कि मरीजों की सुविधा के लिए दस ट्रालियों का इंतजाम किया गया है साथ ही बीस वार्ड बाय की भी ड्यूटी लगायी गई। डॉ सिंह ने बताया कि मरीज के परिजनों व स्टाफ के लिए ठंडे पानी के कूलर की व्यवस्था की गई है इसके अलावा उन्हें छाछ भी उपलब्ध कराई गई है। उनका कहना था कि आपातकालीन यूनिट सहित अस्पताल के वार्डों में आइस बॉक्स का प्रबंध किया गया है ताकि जब भी आवश्यकता हो मरीज को भीषण गर्मी से बचाया जा सके। डॉ सिंह ने बताया कि अस्पताल में जहां भी एयर कंडीशनर लगे हुए है उन्हें ठीक कराया जा रहा है। इसके अतिरिक्त 22 नए कूलर मंगवाए गए है और यदि जरूरत पड़ी तो और कूलर मंगवाए जाएंगे। डॉ सिंह ने कहा कि राज्य सरकार के निर्देश पर अस्पताल के सभी स्टाफ की छुट्टियों पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही अस्पताल के सभी वार्डों में व्यवस्थाएं पुख्ता कर दी गई है। उल्टी दस्त के मरीजों के लिए उपचार के लिए विशेष निर्देश दिए गए हैं।

धार्मिक शिक्षण शिविरों में हुई परीक्षा, शिक्षार्थियों ने उत्साह से भाग लिया

46 दिगम्बर जैन मंदिरों में चल रहे ग्रीष्मकालीन धार्मिक शिक्षण शिविरों का स्थानीय समापन आज बुधवार को, गुरुवार को होगी रत्नाकर अवार्ड परीक्षा। सभी शिविरों का सामूहिक समापन 1जून को बिड़ला आडिटोरियम में

जयपुर. शाबाश इंडिया

संत शिरोमणि आचार्य विद्या सागर महाराज के परम प्रभावक शिष्य निर्यापक श्रमण सुधासागर महाराज के आशीर्वाद से संचालित श्रमण संस्कृति संस्थान के अन्तर्गत संचालित संत सुधासागर आवासीय कन्या महाविद्यालय एवं अखिल भारतीय श्रमण संस्कृति महिला महासमिति द्वारा श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति के सहयोग से आचार्य विद्या सागर महाराज की उत्कृष्ट त्याग तपस्या को समर्पित उपकार महोत्सव के रूप में शहर के 46 दिगम्बर जैन मंदिरों में गत 15 मई से चल रहे 15 दिवसीय ग्रीष्मकालीन धार्मिक शिक्षण शिविरों में धार्मिक शिक्षा के साथ जीवन के नैतिक मूल्यों एवं संस्कारों की दी गई शिक्षा की मंगलवार को सभी शिविरों में परीक्षा आयोजित की गई। इन परिक्षाओं में शिक्षण कर रहे सभी शिविरार्थियों ने उत्साह से भाग लिया। संत सुधासागर आवासीय कन्या महाविद्यालय की अधिष्ठात्री शीला डोड्या ने बताया कि इन शिविरों में श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के 8 विद्वान एवं संत सुधा सागर महिला महाविद्यालय की 69 विदूषी बहनों एवं स्थानीय 212 महिला पुरुषों द्वारा पूजन प्रशिक्षण ,जैन धर्म शिक्षा भाग1-2, छः ढाला, तत्वार्थ सूत्र,भक्तामर स्तोत्र ह्यद्रव्य संग्रह, इष्टोपदेश,रत्नकरण्डक श्रावकाचार,आदि का पाठन पठन मनन व व्याख्या ,एवं अनेक धार्मिक गति विधियों द्वारा जैन धर्म का शिक्षण दिया गया। श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति की अंचल अध्यक्ष शालिनी बाकलीवाल के मुताबिक इन शिविरों में पढ़ाए गये विषयों की मंगलवार 28 मई को स्थानीय परीक्षा हुई । इस परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले प्रशिक्षणार्थियों को स्थानीय मंदिर कमेटियों द्वारा बुधवार 29 मई को सायंकाल आयोजित होने वाले समापन समारोह में पुरस्कृत किया जाएगा। इस मौके पर आचार्य विद्या सागर महाराज पर लघु नाटिका की प्रस्तुति भी दी जाएगी। प्रचार प्रसार संयोजक पदम चन्द बिलाला ने बताया कि जनकपुरी दिगम्बर जैन मंदिर में होने वाले समापन समारोह में शीला डोड्या मुख्य अतिथि होगी। प्रचार प्रसार संयोजक विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक हर मंदिर से हर विषय में प्रथम आने वाले प्रशिक्षणार्थियों की पुनः परीक्षा गुरुवार 30 मई को संत सुधासागर आवासीय कन्या महाविद्यालय में पं रतन लाल बैनाडा की स्मृति में रत्नाकर पुरस्कार हेतु होगी जिसका पुरस्कार 2100/-व शील्ड संस्थान द्वारा दी जाएगी । प्रत्येक शिविर स्थल पर बुधवार 29 मई को होने वाली आचार्य विद्या सागर महाराज के जीवन से संबंधित विषयों अथवा संस्मरणों पर 10 मिनट की प्रस्तुति में से सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति को एवं अधिकतम प्रशिक्षणार्थियों की संख्या, अधिक विषयों का पाठन के आधार पर तीन श्रेष्ठ मंदिरों को बिड़ला आडिटोरियम में 01 जून को होने वाले सामूहिक समापन समारोह में पुरस्कृत किया जाएगा । इन शिविरों में बाल बोध मौखिक, बाल बोध प्रथम भाग, बाल बोध द्वितीय, तृतीय भाग, सिद्धांत प्रवेशिका भाग 2, छहढाला की कक्षा, द्रव्य संग्रह की कक्षा रत्नकरण्डक श्रावकाचार की कक्षा, भक्तामर की कक्षा, इष्टोपदेश की कक्षा तत्वार्थ सूत्र की कक्षाऐं संचालित की गई। धार्मिक मंत्री विनिता जैन एवं विद्युत लुहाडिया के मुताबिक इन शिक्षण शिविरों का सामूहिक समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह शनिवार, 01 जून को बिड़ला आडिटोरियम में सायंकाल 7.00 बजे से होगा। इस मौके पर शिविरार्थियों को सम्मानित किया जाएगा।

श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर मुरलीपुरा में श्रमण संस्कृति संस्कार शिविर की परीक्षा संपन्न हुई

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर मुरलीपुरा में 28 मई, मंगलवार को श्री दिगंबर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर एवं श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति राज. अंचल के तत्वावधान में श्रमण संस्कृति संस्कार शिविर की परीक्षा संपन्न हुई, जिसमे महिला एवं पुरुषों को छः ढाला और छोटे बच्चो को जैन धार्मिक शिक्षा बाल बोध प्रथम भाग मौखिक व बड़े बच्चों की द्वितीय भाग की लिखित परीक्षा ली गई । मंदिर कार्यकारिणी के महामंत्री नीरज जैन ने बताया कि परीक्षा के पश्चात विद्यार्थियों को छः ढाला का ज्ञान देने वाली विदुषी गुरु डॉ. श्रीमती कामिनी जैन का मंदिर कार्यकारिणी की तरफ से दुप्पटा, माला पहनाकर, वस्त्र एवं अन्य भेंट कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर श्री महावीर पाठशाला मुरलीपुरा की शिक्षिकाएँ एवं शिविर संयोजक प्रीति , मीनू , शैली , मंदिर कार्यकारिणी अध्यक्ष धर्मचंद बड़जात्या, महामंत्री : नीरज जैन, कोषाध्यक्ष : पंकज जैन, सदस्य सुधीर कुमार जैन, रमेश चंद जैन, श्री महावीर महिला मंडल मुरलीपुरा की मंत्री सुलोचना गंगवाल, उपाध्यक्ष श्रीमती इंद्रा जैन आदि की उपस्थिति रही।

सौ पंचकल्याणकों के बराबर एक संस्कार शिविर : पंडित अंकित शास्त्री

अजमेर. कासं। श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन जिनालय, सर्वोदय कॉलोनी में रविवार को ''गुरु उपकार महोत्सव'' के रूप में ''संस्कार शिविर'' का शुभारंभ हुआ। राहतगढ़ से पधारे पंडित अंकित जी शास्त्री ने कहा कि गुरु से ही जीवन की सफलता संभव है। उन्होंने पूजा के दौरान गुरु आचार्य ज्ञान सागर जी एवं शिष्य विद्यासागर जी की महिमा का गुणगान किया तथा श्रावकों ने भक्तिभाव से अष्ट द्रव्य अर्पित किए। नित्य नियम पूजा के बाद श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के तत्वावधान में आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज की उत्कृष्ट साधना के लिए शिविर का झंडारोहण श्रेष्ठी मंगलचंद अनिल कुमार पाटनी परिवार द्वारा किया गया। शिविर उद्घाटन पारस - शांता पाटनी परिवार, दीप प्रज्वलन सुभाष गुणमाला गंगवाल परिवार तथा श्रुत विराजमान रूपचंद सुशीला छाबड़ा द्वारा किया गया। जिनालय समिति अध्यक्ष विजय दनगसिया एवं मंत्री विनय गदिया ने बताया कि शिविर 2 जून तक चलेगा, जिसे विद्वत श्री आराध्य शास्त्री खनियाधाना एवं विद्वत श्री अतिशय शास्त्री झलौन का सानिध्य प्राप्त होगा।

श्री चन्द्रप्रभ दिगंबर जैन मंदिर दुर्गापुरा में धार्मिक शिक्षण शिविर का हुआ समापन

जयपुर. शाबाश इंडिया

ग्रीष्मकालीन धार्मिक शिक्षण शिविर के अंतर्गत राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री दिगंबर जैन महासमिति महिला अंचल श्रीमती शिला डोडया एवं उपाध्यक्ष श्रीमती सुशील छाबड़ा श्री चन्द्रप्रभ दिगंबर जैन मंदिर दुर्गापुरा में शिविर का निरीक्षण करने पधारी। त्रिशला संभाग कि अध्यक्ष चंदा सेठी एवं सचिव रेणु पांड्या ने बताया कि आपका सानिध्य पाकर सभी शिवरार्थि को बहुत अच्छा लगा। तीन-चार साल के नन्हे मुन्ने बच्चे मौखिक भाग के उनके मुंह से णमोकार मंगल पाठ सुनकर आप भी प्रभावित हुई एवं कहा कि यही हमारे बीज है जो आगे जाकर जैन धर्म का वट वृक्ष बनकर परचम लहराएंगे। इस अवसर पर मंदिर कमेटी अध्यक्ष प्रकाश चाँदवाड, मंत्री राजेंद्र काला एवं कोषाध्यक्ष विमल गंगवाल भी उपस्थिति रहे। शिक्षण शिविर में पारितोषिक वितरण राजेंद्र संजय सोगानी श्रीजी नगर निवासी की तरफ से किया गया।

घरों में यंत्र रखना उचित नहीं है यंत्र तंत्र के चक्कर में मत पड़ो : मुनिपुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज

अशोक नगर. शाबाश इंडिया। घरों में यंत्र रखना उचित नहीं है यंत्र मंत्र के चक्कर में मत पड़ो ये कुछ दिन लाभ दिखता है, अंत में नुकसान ही होता है आप मंत्रों की जाप कर सकते हैं मंत्रों के स्मरण का प्रभाव स्पष्ट दिखाई देता है आपके लिए मनुष्य पर्याय मिली है इसका महत्व समझे मनुष्य भव पुनः प्राप्ति हेतु- जितने कम में काम चलता है उतने कम में चलाओ, सदा विनयशील रहो तत्त्वार्थसूत्र ग्रन्थ राज में इसकी विधि है हमें कर्मो को नष्ट करना है कर्म को नष्ट करने का अभव्यों से अनन्तगुणे व सिद्धों के अनन्त वे भाग प्रमाण वर्गणाओं को जीव एक समय मे बांधता है, लेकिन ये कोई नियत नही है। डेढ़ गुण हानि प्रमाण- बांधता है, सत्ता में रहते है, निर्जरा को प्राप्त होता है, इसलिए भव्य व अभव्यों की अपेक्षा से कोई अलग से भेद नही किया उक्त आश्य केउद्गार मुनि पुगंव श्रीसुधासागरजी महाराज ने उपकार महोत्सव समारोह को संबोधित करते हुए दमोह में जिज्ञासा समाधान के दौरान कहें। **मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज आये तो थूवोनजी पचास वर्ष आगे निकल जायेगा : विजय धुर्रा**-इसके पहले मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि दर्शनोदय थूवोनजी कमेटी अध्यक्ष अशोक जैन टींगू महामंत्री विपिन सिंघई जैन समाज के मंत्री शैलेन्द्र श्रागर ,मंत्री विनोद मोदी, कोषाध्यक्ष सौरव वाझल, आडिटर राजीव चन्देरी शिरोमणि संरक्षण संजीव श्रागर शैलेन्द्र दददा सहित पूरी कमेटी चातुर्मास का निवेदन लेकर आपके चरणों में आई है थूवोनजी कमेटी पिछले चौबीस वर्षो से प्रयास रत है और आचार्य श्री ने भी कहा था कि श्री सुधासागर जी महाराज थूवोनजी पहुंच गए तो थूवोनजी पचास वर्ष आगे निकल जायेगा। हम सब इसी निवेदन को लेकर आपके चरणों में आयें है ।इस दौरान सुनील घेलू अशोक जैन ए पी जीवन मामा सानू जैन आशीष मोदी रानूमामा संजय जैन सहित अन्य भक्तों ने श्री फल भेंट किए।

महेश नवमी महोत्सव पर भीषण गर्मी के बावजूद हुआ 140 यूनिट रक्तदान संग्रहित

शिविर में भाग लेने वाले प्रत्येक रक्तदाता को प्रशस्ती पत्र के साथ ही विशेष उपहार प्रदान किया गया

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। श्री नगर माहेश्वरी सभा भीलवाड़ा के तत्वाधान में महेश नवमी महोत्सव 2024 कार्यक्रम के तहत रविवार को शास्त्रीनगर माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा स्थानीय भवन एंव तिलक नगर क्षेत्रीय माहेश्वरी सभा द्वारा तेज सिंह सर्किल स्थित सांवरिया रिर्सोट में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। दोनो शिविर सुबह 9.15 बजे से शुरू किये गये जो शाम 5.00 बजे तक जारी रहे। शास्त्रीनगर माहेश्वरी भवन में 63 युनिट, तिलक नगर क्षेत्रीय माहेश्वरी सभा के शिविर मे 77 युनिट, संग्रहित किए गये। दोनो शिविर में कुल 140 युनिट रक्त संग्रहित किया गया। रक्त संग्रहित का कार्य रामस्नेही व महात्मा गांधी ब्लड बैंक की टीम द्वारा किया गया। मीडिया प्रभारी पंकज पोरवाल ने बताया कि तिलक नगर क्षेत्रीय माहेश्वरी सभा के शिविर का शुभारम्भ कैलाश कोठारी, राधेश्याम सोमानी सभाध्यक्ष केदार गगरानी, पुर्व पार्षद व संयोजक राधेश्याम सोमानी, रमेश राठी, प्रमोद डाड, गोपाल नरानीवाल, महेश जाजू, ने एंव शास्त्रीनगर माहेश्वरी भवन के शिविर का शुभारम्भ पुर्व सभापति रामपाल लाल सोनी, राधेश्याम चेचाणी, जगदीश कोगटा, नगर मंत्री संजय जागेटिया, राधाकिशन सोमानी, श्याम लाल चांडक, सत्यनारायण मुन्द्रड़ा, तरूण सोमानी द्वारा भगवान महेश की तस्वीर के समक्ष द्वीप प्रज्वलन कर किया गया।

वेद ज्ञान

समरसता के लिए प्रेम आवश्यक

जीवन में सरसता के लिए प्रेम आवश्यक है। इसका संबंध मन से है। सांसारिक पदार्थों का इसमें कोई योगदान नहीं है। मन से अधिक ताकतवर कुछ भी नहीं है। इसकी चंचलता जीवन को अस्थिर करती है और मन का टिकना अनेक दुखों से बचाने वाला है। मन जब प्रेम से परिपूर्ण हो तब जीवन बदलने लगता है और आनंद की अवस्था प्राप्त होती है, किंतु प्रेम कर पाना जीवन का सबसे कठिन कर्म है। इसके लिए मन के सारे विकार त्यागने पड़ते हैं और इसे संवेगों से रहित और निर्मल बनाना पड़ता है। यह महान साधना है। कितने ही ऋषियों और मुनियों का सालों का जप-तप मन के चलते पलों में व्यर्थ चला गया। ज्ञानियों का ज्ञान, त्यागियों का त्याग मन की निर्मलता और प्रेम के बगैर निष्फल रहा। घर, परिवार और समाज त्यागने से नहीं, मन के विकार त्यागने से निर्मलता प्राप्त होती है। दूसरा सबसे बड़ा आधार है विश्वास। सारे संशय दूर हो जाएं, भ्रम मिट जाएं और मार्ग स्पष्ट दिखने लगे, तभी मन में विश्वास के बीज अंकुरित होते हैं। विकारों को त्यागने और विश्वास को धारण करने से ही मन में प्रेम की तरंगें उठने की स्थितियां बनती हैं। संसार में प्रेम को विभिन्न रूपों में देखा जा रहा है। माता और पिता से, संतान से, संबंधियों से, स्त्री और पुरुष से, धन, दौलत, शोहरत, शक्ति से प्रेम है, किंतु आवश्यक नहीं कि इनसे सदा आनंद की प्राप्ति हो और कभी दुख न सहना पड़े। अध्यात्म समस्त संबंधों को नाशवान और स्वार्थों पर आधारित मानता है। जब तक हित साधन हो रहा है तब तक संबंध हैं। हित पूरे न होने पर निकट से निकट संबंध भी बालू की भीति की तरह धराशायी हो जाते हैं। प्रेम का वास्तविक रूप परमात्मा से जुड़ने में है, जिसने सारे जीव पैदा किए हैं। जो सबका पिता है, उससे प्रेम का आनंद सदा बना रहने वाला और सुखदायक है। शुद्ध मन और अटूट विश्वास के साथ परमात्मा से प्रेम संबंध कायम करना ही उसे पाने का मार्ग है। इसके लिए भी उसकी कृपा चाहिए। मन में एक बार परमात्मा से प्रेम का रस पैदा हो जाए तो संसार के सारे रस फीके लगने लगते हैं और मन टिकने लगता है। ईश्वर स्वयं प्रेम स्वरूप है।

संपादकीय

जान से ज्यादा प्यारा हुआ व्यावसायिक हित

गर्मी के मौसम में आग लगने की आशंका अधिक बनी रहती है। खासकर जब तापमान अधिक होता है, तो बिजली के तारों के पिघल कर आपस में चिपकने और जल उठने का खतरा ज्यादा होता है। ऐसे में सार्वजनिक स्थानों और भीड़भाड़ वाले भवनों में आग लगने की स्थिति में बचाव के उपायों पर विशेष ध्यान रखने की उम्मीद की जाती है। मगर अपने व्यावसायिक हितों को सबसे ऊपर रखने वाले परिसरों में अक्सर ऐसे उपायों के मामले में लापरवाही देखी जाती है। इसी का नतीजा है कि ऐसी जगहों पर आग लगने से बड़े पैमाने पर जान-माल का नुकसान उठाना पड़ता है। गुजरात के राजकोट और दिल्ली के एक शिशु अस्पताल में लगी आग की घटनाएं इसका ताजा उदाहरण हैं। राजकोट के एक खेल क्षेत्र में आग लगने से बारह बच्चों समेत अट्ठाईस लोगों की मौत हो गई। दिल्ली के शिशु अस्पताल में नवजात शिशु देखभाल में रखे गए सात बच्चे मर गए और पांच गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों जगहों पर हादसे और इतनी बड़ी संख्या में हुई मौतों की वजहें समान हैं। दोनों जगहों पर आपातकालीन निकास निहायत संकरा था। अग्निशमन संबंधी अनापत्ति प्रमाण पत्र नहीं लिया गया था। वहां लापरवाही पूर्वक ज्वलनशील पदार्थों का भंडारण किया गया था। ऐसा नहीं कि जिन जगहों पर ये हादसे हुए, वहां के प्रबंधकों को दूसरी जगहों पर हुए हादसों की जानकारी नहीं थी, फिर भी वे सुरक्षा उपायों को लेकर इतने लापरवाह कैसे थे, समझ से परे है। राजकोट के जिस खेल क्षेत्र में आग लगी, वहां बताया जा रहा है कि लकड़ी, कपड़े, थर्मोकोल, प्लास्टिक की चादरों आदि से भवन खड़ा कर लिया गया था। नीचे की मंजिल पर बड़ी मात्रा में पेट्रोल और डीजल का भंडारण किया गया था। वहां चल रहे निर्माण कार्य के चलते कोई चिनगारी छिटकी और ज्वलनशील पदार्थों के संपर्क में आकर पूरे भवन को आग के आगोश में दे दिया। दिल्ली के अस्पताल में भी ऐसे ही कारण पता चले हैं। नीचे की मंजिल पर गैरकानूनी तरीके से आक्सीजन के सिलिंडर भरे जा रहे थे, जिनमें विस्फोट हुआ और पूरा अस्पताल आग की लपटों में समा गया। अब इन हादसों को लेकर प्रशासन सक्रिय हुआ है, इन घटनाओं के लिए जिम्मेदार माने जाने वालों को गिरफ्तार कर लिया गया है। मगर इससे फिर भी यह भरोसा नहीं बनता कि ऐसे भवनों में सुरक्षा संबंधी उपाय पुख्ता किए जा सकेंगे। आखिर इसकी जवाबदेही कैसे तय होगी कि किसी व्यावसायिक परिसर या भवन का निर्माण करते समय उसके सुरक्षा मानकों की जांच क्यों नहीं की जाती। कैसे किसी टीन-टप्पर, लकड़ी-प्लास्टिक से बने किसी ढांचे में भीड़भाड़ वाली गतिविधियां चलाई जा सकती हैं। फिर, निजी तौर पर चलाए जा रहे अस्पतालों, बारात घर, स्कूल, होटल, रेस्तरां, बाजार, मनोरंजन स्थलों आदि में किस स्तर तक आग जैसी घटनाओं से सुरक्षा के उपायों पर गंभीरता से ध्यान दिया जाता है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

लापरवाही!

राजकोट (गुजरात) के गेमिंग जोन में लगी आग में लगभग 30 लोगों की मौत की टीस अभी कम भी नहीं हुई थी कि राजधानी दिल्ली के एक अस्पताल में लगी आग कई नवजात पर भारी पड़ गई। आंकड़े तो ये भी हैं कि पिछले दो साल में दिल्ली के 66 अस्पतालों में आग लगने की घटनाएं घट चुकी हैं। इसका अर्थ है कि जिन जगहों पर हम जीवन की उम्मीद में जा रहे हैं, वे भी हमारी जान पर भारी पड़ सकती हैं। दिल्ली का उपहार सिनेमा अग्निकांड, पुरानी दिल्ली के लाल कुआं इलाके में एक केमिकल गोदाम में लगी आग, फिल्मिस्तान अग्निकांड जैसी घटनाएं हमारी यादों में अब तक जिंदा हैं। ऐसी आगजनी आमतौर पर तभी होती है, जब नियमों का पालन नहीं किया जाता। या तो इमारत अनधिकृत तरीके से बनाई गई होती है या फिर उसमें सुरक्षा के पर्याप्त उपाय नहीं किए जाते या फिर सुरक्षात्मक उपायों की निगरानी नहीं होने के कारण वे वक्त पर काम नहीं करते। मुश्किलें तब बढ़ जाती हैं, जब इस तरह की इमारतें घनी आबादी वाले क्षेत्रों में होती हैं। तब ऐसी आगजनी कहीं अधिक जानलेवा साबित होती है। स्पष्ट है, आगजनी के लिए काफी हद तक नियोजन और प्रबंधन की व्यवस्था में खामी उत्तरदायी है। अगर प्रबंधन की नियमित व्यवस्था हो, लाइसेंस आदि ससमय लेने के प्रयास हों, स्थानीय प्रशासन द्वारा निगरानी की उचित व्यवस्था हो, तो आगजनी की घटनाएं काफी रोकी जा सकती हैं। सवाल मानसिकता का भी है। औद्योगिक इमारतों में नियमों की अवहेलना के कारण आमतौर पर खिड़कियां नहीं बनाई जातीं, सीढ़ियों की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होती, ज्वलनशील पदार्थों विशेषकर गैस सिलेंडरों के भंडारण को लेकर उचित सावधानी नहीं बरती जाती और निकासी के रास्ते पर्याप्त चौड़े नहीं होते। इन सब वजहों से छोटी-सी आगजनी भी जान-माल का भारी नुकसान कर जाती हैं। आगजनी कोई नई परिघटना नहीं है। शहर से लेकर गांव तक आग लगती रहती है। गरमी के मौसम में हवा के संयोग से गांवों में आगजनी की ऐसी-ऐसी घटनाएं घटती हैं कि कई घर उनमें स्वाहा हो जाते हैं, लेकिन वहां आमतौर पर इंसानी जान बचा ली जाती है। वास्तव में, बचाव के उपाय हमें अपने तईं भी करने होंगे और प्रशासन के स्तर पर भी। इस मामले में सरकारी एजेंसियों में समन्वय बहुत आवश्यक है। पेच यह है कि योजना बनाने का दायित्व किसी अन्य एजेंसी पर होता है और उसे लागू करने का दायित्व किसी अन्य एजेंसी का। उसके प्रबंधन की जिम्मेदारी तीसरी एजेंसी संभालती है। दिल्ली में ही योजना दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) बनाता है, जबकि बिल्डिंग लाइसेंस नगर निगम के हवाले है। फैक्टरी लाइसेंस दिल्ली प्रशासन देखता है। इन अलग-अलग एजेंसियों के बीच समन्वय बने, तो उन लोगों को राहत मिल सकती है, जो नियमों का पालन तो करना चाहते हैं, मगर इनकी जटिलताएं उनकी मंशा पर भारी पड़ जाती हैं। अब ऑनलाइन व्यवस्था की जा रही है, ताकि सभी एजेंसियां एक प्लेटफॉर्म पर आकर मामले को निपटा सकें, मगर इसके लिए भी समन्वय जरूरी है। जाहिर है, उपाय तो हैं, लेकिन उनके क्रियान्वयन के स्तर पर भारी कमी है। दिल्ली की तुलना में मुंबई, पुणे के लोग कहीं अधिक जागरूक जान पड़ते हैं, जो इन मसलों को उठाते रहते हैं। हालांकि, अभी दिल्ली के एक अस्पताल में जो आगजनी हुई है, वहां की अनियमितता को लेकर स्थानीय लोग आवाज उठाते रहे हैं। मगर जुझारू नेतृत्व का अभाव उनकी आवाज को दुखद अंत की ओर ले गया। दिल्ली-एनसीआर की ऊंची-ऊंची इमारतों का हाल और भी बुरा है।

तीनों नसियां, जयपुर में श्रमण संस्कृति संस्कार शिविर का हुआ समापन

जयपुर. शाबाश इंडिया

तीनों नसियां महिला मंडल, जैन समाज द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी बजो की नसियां, तीनों नसियां, जयपुर में श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान, सांगानेर द्वारा आयोजित श्रमण संस्कृति संस्कार शिविर दिनांक 15 मई 2024 से 28 मई, 2024 तक आयोजित किया गया। शिविर में करीब 30 बालक बालिकाओं और स्थानीय महिलाओं ने उत्साह से भाग लिया। शिविर के समापन पर प्रातः स्मरणीय 108 आचार्य विद्यासागरजी महाराज पर एक लघु नृत्य नाटिका दीदीयों के मार्गदर्शन में बच्चों द्वारा प्रस्तुत की। सभी प्रतिभागी बच्चों व महिलाओं को प्रमाणपत्र व पुरस्कार से सम्मानित किया गया। महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती अंजना शाह, मंत्री श्रीमती किरण दीवान, कोषाध्यक्ष श्रीमती सुशीला बज, शिविर संयोजक श्रीमती सुनीता सौगाणी, श्रीमती अनिता दीवान, श्रीमती शिल्पी बज, श्रीमती किरण जैन समाज श्रेष्ठी कमल दीवान, ज्ञानचंद बज सहित बडी संख्या में उपस्थित श्रेष्ठी जनों ने श्रेष्ठी दीदी, रिया दीदी और आस्था दीदी का सम्मान कर धन्यवाद ज्ञापित किया। भगवान आदीनाथ व आचार्य विद्यासागरजी महा मुनिराज के जयकारो से शिविर का समापन किया गया।

अपने पुण्य के बैंक बैलेंस को बढ़ाएं : आर्यिका विज्ञाश्री

साथ ही धार्मिक शिविर में परीक्षा आयोजित हुई

जयपुर. शाबाश इंडिया

नेमीसागर कालोनी में विराजित भारत गौरव गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ने आज के प्रवचन में बताया कि व्यक्ति अपने पुण्य के बैंक के बैलेंस को कैसे बढ़ा सकते हैं। इससे पूर्व आर्यिका संघ के सानिध्य में नेमीसागर जैन मन्दिर में शांतिधारा करके विश्व शांति की मंगल कामना की गई। इस अवसर पर राधेश्याम बैराठी एवं परिवार द्वारा दीप प्रज्वलन एवं अश्विनी जैन मधु जैन परिवार द्वारा शास्त्र भेंट किया गया। श्री नेमीनाथ दिगम्बर जैन समाज समिति के अध्यक्ष जे के जैन कालाडेरा ने बताया कि आर्यिका विज्ञाश्री माताजी का इन दिनों नेमीसागर कालोनी में प्रवास हो रहा है। साथ ही श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान एवं महिला महासमिति के द्वारा धार्मिक शिक्षण शिविर आयोजित किया गया है, जिसमे आज शिक्षार्थियों की परीक्षा हुई। शिविर में बड़ी संख्या में शिक्षार्थी उपस्थित रहे। दिनांक 29 मई को शिविर का समापन समारोह आयोजित किया जाएगा ।शिविर में अनिल जैन धुआं वालो द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

मूकमाटी मंथन ग्रंथ का हुआ विमोचन

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। श्री दिगंबर जैन पंचायत नसियाँ में ग्रीष्मकालीन शिविर के दूसरे दिन अंकित जी शास्त्री ने मूक माटी स्वाध्याय का मंगलाचरण के साथ सत्र का प्रारम्भ किया। शास्त्री अंकित जी ने मूक माटी ग्रन्थ कि प्रस्तावना बताई,उन्होने बताया कि किसी भी शासन, धर्म या ग्रन्थ को समझने के लिये उसके दो पहलुओं को समझना है। पहला दर्शन दूसरा आचार पक्ष समझना है। वीतराग सर्वज्ञ शासन का दर्शन पक्ष वीतरागता एवं आचार पक्ष कि प्रधानता अहिंसा है। अंकित जी ने बताया कि सर्वज्ञ कहते है कि इस संसार का न कोई निर्माता है न ही नियता है न कोई संहारक है। सर्वज्ञ भगवान कहते है, हे भव्यात्मा तू आत्मा है, स्वयं के द्वारा किये गये अच्छे, बुरे परिणामो का स्वयं ही भोक्ता है। अपने स्वयं के द्वारा शुभ कार्य चाहे वह मानसिक हो वाचनिक हो कायिक हो, यदि पुण्य कर्मो का आश्रव का फल सुख देता है, एवं अपने स्वयं द्वारा किये अशुभ कार्य, चाहे मानसिक हो, वाचनिक हो, कायिक हो, पाप फल का आश्रव उदय आने पर दुःख ही देता है। मूकमाटी मंथन ग्रंथ का विमोचन किया गयाः विद्यासागर पाठशाला के बच्चों द्वारा मूकमाटी पर नृत्य की प्रस्तुति दी गई। प्रश्नोत्तरी के प्रायोजक घनश्यामदास कल्पेश जैन प्रभावना के प्रायोजक विजय कुमार विश्वास फागीवाला मनोज कुमार धीरज कासलीवाल ,कुमेश कार्तिक जैन परिवार थे। दिगंबर जैन पंचायत के अध्यक्ष अशोक काला मंत्री दिनेश अजमेरा विजय फागीवाला शशिकांत गदीया विकल कासलीवाल अमित गोधा कमल राँवका राजेन्द्र गोधा श्रीपाल अजमेरा अतुल पाटनी, सुमन धगडा चंद्रप्रकाश गोधा महेश जैन आनन्द गंगवाल कल्पेश जैन संजय जैन पदम जैन रुपचनद कासलीवाल सुशील बड़जात्या टीकम चन्द छाबड़ा राजेश राँवका खेमराज बाकलीवाल रितेश फागीवाला राकेश गोधा सहित सकल दिगंबर जैन समाज के महिला पुरुष सदस्यगण उपस्थित थे।

आगरा छीपीटोला में मनोज बल्लो अध्यक्ष, मुरारीलाल मंत्री निर्वाचित

छीपीटोला जैन मंदिर की प्रवंधकारिणी का हुआ निर्वाचन

मनोज जैन नायक. शाबाश इंडिया

आगरा। छीपीटोला पंचायती जैन मंदिर की प्रबंधकारिणी का निर्वाचन विगत दिवस मतदान द्वारा शांतिपूर्वक वातावरण में संपन्न हुआ। मुख्य निर्वाचन अधिकारी जिनेंद्रकुमार जैन (झांसी वाले) एवम सहायक निर्वाचन अधिकारी राजीव जैन (मनियां वाले) द्वारा प्रदत्त जानकारी के अनुसार श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैसवाल जैन (उप.) पंचायती मंदिर छीपीटोला आगरा की प्रवंधकारिणी का

निर्वाचन नियमानुसार सोमवार 27 मई को मतदान द्वारा कराया गया । छीपीटोला जैन समाज के कुल 1940 मतदाताओं में से 1213 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया। शांतिपूर्ण वातावरण में मतदान हुआ और तुरंतबाद मतगणना की गई। मतगणना पूर्ण होने पर निर्वाचन अधिकारी जिनेंद्रकुमार जैन ने अध्यक्ष पद पर मनोज जैन बल्लौजी, महामंत्री पद पर मुरारीलाल जैन रेल्वे, कोषाध्यक्ष पद पर अक्षय जैन बंटी, लेखा निरीक्षक पद पर दीपक जैन बोतल वाले एवम हेमंत जैन खेरिया वाले को निर्वाचित घोषित किया गया । सभी निर्वाचित पदाधिकारियों को उनके मित्रों एवम शुभचिंतकों ने बधाई एवम शुभकामनाएं प्रदान करते हुए स्वाफा पगड़ी बांध सभी का अभिनंदन किया।

दादी तुम क्यों छोड़ गई

दादी क्यों मुझको छोड़ गई,
तुम बिन कैसे रह पाऊंगी।
स्नेह भरा आलिंगन तेरा,
कैसे, कहो भुलाऊंगी।।
जब भी रोई, मां ने डांटा,
चुपके से मुझे मनाया है।
बांहों का झूला, गोद तेरी,
संग सदा तुम्हारा साया है।।
मां से छुपकर, पैसे दे कर,
टॉफी, कुल्फी दिलवाती तुम।
नित नई कहानी परियों की,
फिर मुझको रोज सुनाती तुम।
झुर्री वाला, वो ओज भरा,
चेहरा मैं नहीं भुला सकती।
हाथों से मुझे खिलाती तुम,
पर ना मैं तुम्हें खिला सकती।।
मुझको तो तुम बिन घर अपना,
बीराना जैसा लगता है।
इस घर का हर इक कोना,
बिन तेरे बहुत सिसकता है।।
दादी तुम जल्दी आ जाओ,
तेरे आंचल में छिप जाऊं मैं।
उंगली को तेरी पकड़ चलूं,
पल भर भी ना घबराऊं मैं।।
आ जाओ दादी पास मेरे ,
या मुझे बुला लो अपने पास।
बिन तेरे कठिन बहुत जीवन,
पोती तुम बिन रहती उदास।।

कवि हरीश शर्मा
लक्ष्मणगढ़ - (सीकर)
राजस्थान

भाजपा किसान मोर्चा के पदाधिकारियों ने किया पौधारोपण

जयपुर. कासं। भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष व अजमेर सांसद भागीरथ चौधरी के नेतृत्व में भाजपा किसान मोर्चा के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने भाजपा प्रदेश कार्यालय परिसर में पौधारोपण किया। मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष व अजमेर सांसद भागीरथ चौधरी ने कहा कि प्रदेश में भीषण गर्मी को देखते हुये भाजपा किसान मोर्चा ने पौधारोपण का शुभारंभ किया। उन्होंने सभी भाजपा किसान मोर्चा के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से आह्वान किया है कि वह अधिक से अधिक संख्या में पौधारोपण कर पर्यावरण संतुलन बनायें रखने में अपना योगदान दें। मोर्चा के प्रदेश महामंत्री रेवन्त सिंह राजपुरोहित ने बताया कि भाजपा किसान मोर्चा पूरे प्रदेश में पौधारोपण का विशेष अभियान चलायेगा। जिसकी शुभारंभ आज भाजपा प्रदेश कार्यालय से मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष व अजमेर सांसद भागीरथ चौधरी के करकमलो से किया गया। इस अवसर पर मोर्चा के प्रदेश महामंत्री ओ.पी. यादव, प्रदेश उपाध्यक्ष गणपत सिंह राठौड़, प्रदेश कार्यालय मंत्री सत्येन्द्र त्यागी, पाली जिलाध्यक्ष दिग्विजय सिंह राठौड़, भानूप्रताप जघीना, भाजपा टोंक मण्डल अध्यक्ष राजेश शर्मा सहित मोर्चा के अन्य पदाधिकारी/कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन युवा परिषद् मानसरोवर संभाग जयपुर के तत्वाधान में

परिषद के परमशिरोमणि संरक्षक

श्री सतीश कुमार जी कासलीवाल परिवार फागी वाले द्वारा

स्वर्गीय श्री कैलाश चन्द जी जैन (फागी वाले)

की पुण्य स्मृति में

स्वैच्छिक

रक्तदान एवं मेडिकल शिविर

नि:शुल्क जांचे
HIV, HCV, HBJAG,
MP, VADRL
BP, SUGAR
HOMOGLOBIN
डॉ. वंशिका जैन (फिजियो थेरेपिस्ट)
डॉ. महेन्द्र सैरावत (फिजिशयन)

रविवार 02 जून, 2024

प्रातः 9 बजे से 2 बजे तक

स्थान : श्री दिगम्बर जैन मन्दिर, वरूण पथ, मानसरोवर, जयपुर

सहयोगी संस्था : राजधानी ब्लड बैंक द्वारा मानसी चेरिटेबल ट्रस्ट , कैलाश विमल मेमोरियल चेरिटेबल ट्रस्ट

रजिस्ट्रेशन हेतु सम्पर्क : सतीश कासलीवाल - मो. 9414254322, पूजा जैन : मो. 9785050506

नोट : शिविर में रक्तदान करने पर आकर्षक उपहार

पुण्यार्जक परिवार :
सतीश जी, मंजू जी, अनूप जी, पूजा जी हेतवी जैन कासलीवाल परिवार (फागी वाले)

मुख्य अतिथि
पारस जैन पार्षद - वार्ड नं.72
श्री उदयभान जी जैन राष्ट्रीय महामंत्री युवा परिषद
श्री दिलीप जैन प्रदेश अध्यक्ष युवा परिषद

विशिष्ट अतिथि
माणक तोतिया प्रमुख समाज सेवी

कार्यक्रम संयोजक
रवि गोदिका 9928400223
अनिता कासलीवाल 8947965177
नीरज बाकलीवाल 8005904646
विनय सौगाणी 935208181
मनोज बड़जात्या 6377147237
मुकेश जैन 9829064136
रतन सौगाणी 9413561799
रूचि सेठी 9413661710

अशोक बिंदायका अध्यक्ष 9887172974
पारस जैन बोहरा महामंत्री 8005843553

निवेदक :
सुरेश जी, अशोक जी, संतोष जी, पवन जी, मुकेश जी
कासलीवाल परिवार (फागी वाले)
शिप्रा, नीरज पापडीवाल, आरती मोहित छावडा, सुरभि जैन
एवं समस्त कार्यकारिणी युवा परिषद् मानसरोवर संभाग जयपुर

श्री एम.पी. जैन अध्यक्ष श्री दिगम्बर जैन मन्दिर वरूण पथ जयपुर
श्री राजीव जैन परम शिरोमणि संरक्षक(युवा परिषद)
श्री जय प्रकाश जैन, श्री सोभागमल जैन, श्री विजय पाण्ड्या, श्री सुनील सौगानी, श्री शेखर सौगानी परम संरक्षक(युवा परिषद)

राजू ग्राफिक आर्ट जयपुर मो. 9829050791

डॉ आशीष जैन आचार्य "शिविर रत्नाकर" की मानद उपाधि से विभूषित

सागर. शाबाश इंडिया

श्रमण संस्कृती संस्थान सांगानेर के तत्वावधान में 11मई से 19 मई तक आयोजित आठ दिवसीय शिक्षण शिविर के समापन समारोह के अवसर पर सांगानेर संस्थान प्रभावना क्षेत्रीय समिति सागर द्वारा डॉक्टर आशीष जैन आचार्य को 'शिविर रत्नाकर' की मानद उपाधि से विभूषित किया गया । कार्यक्रम मे सर्वप्रथम चक्रेश जैन वर्णी कॉलोनी ने डॉक्टर आचार्य के माध्यम से विगत 20 वर्षों से शिविरों के द्वारा हो रही धर्म, संस्कृति की प्रभावना को दृष्टिगत रखते हुए पद्माकर सभागार ऑडिटोरियम सागर में मानद उपाधि हेतु प्रस्ताव रखा, जिसका समर्थन दानवीर सामाज सेवी संतोष घड़ी एवं परम गुरु भक्त ऋषभ बांदरी बाहुबली कॉलोनी ने किया। विभिन्न स्थानों के सागर क्षेत्रीय 50 दिगंबर जैन मंदिरों के प्रतिनिधियों , हजारों उपस्थित प्रशिक्षणर्थियों तथा 130 विद्वान तथा विदुषी बहनों की उपस्थिति में डॉक्टर आचार्य को तिलक, माला, पगड़ी , अंग वस्त्र एवम प्रशस्ति पत्र देकर सार्वजनिक रुपसे सम्मानित किया गया। प्रशस्ति पत्र का वचन डॉक्टर सोनल शास्त्री दिल्ली ने किया । शिविर रत्नाकर की उपाधि से विभूषित होने पर डॉक्टर आचार्य को देशभर से विद्वानों, समाजसेवियों, द्वारा शुभकामनाएं प्राप्त हो रही हैं। सुनील 'सुधाकर' शास्त्री द्रोणगिरी द्वारा मंच संचालन किया गया। हार्दिक बधाई एवं अनेक शुभकामनाएं। **-नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद।**

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज के प्रवचन से...

आज के आदमी की मानसिकता,
कुछ इस तरह बन गई है कि भोजन का रंग और उसकी गंध अच्छी होनी चाहिये.. बाकी दुनिया जाये.....!

अब रंग और गंध से पौष्टिकता का कोई सम्बन्ध नहीं है। रंग और गंध ऊपर से भी डाली जा सकती है। बस भोजन रंगीन दिखना चाहिए। उससे सुगन्ध आनी चाहिये। बस भोजन में मजा आ गया। आज के आदमी को विज्ञापन के बल पर कुछ भी खिलाया--पिलाया जा सकता है। जानवर वही खाता है, जो उसकी प्रकृति है। गाय जो घास खाती है, वो वही खायेगी। बकरी पत्ते और ऊट बबूल के काँटे खाता है, तो वो जीवन भर वही खायेंगे। उनका भोजन नहीं मिले तो भूखे सो जायेंगे परन्तु गलत चीज नहीं खायेंगे। लेकिन आदमी इतना ना-समझ, नादान और मूर्ख है। अपने पेट के लिये कुछ भी खाने को, पीने को कभी भी तैयार हो जाता है। फिर वो गुण और अवगुण को नहीं देखता है। आज आदमी अण्डा, मांस, मछली, मीट, शराब सब कुछ पी-खा रहा है। टी.वी पर इन सब चीजों का खुल्लम-खुल्ला विज्ञापन दिखता है, अखबार में पढ़ता है और खाना शुरू कर देता है। मनुष्य प्रकृति से शाकाहारी है, मांसाहार मनुष्य की प्रकृति के अनुकूल नहीं है। मांसाहार का विकल्प, शाकाहार तो हो सकता है। लेकिन शाकाहार का विकल्प मांसाहार कभी नहीं हो सकता है।माँस को छोड़ने वाला, शाकाहार के बल पर पुरा जीवन जी सकता है लेकिन शाकाहार को छोड़ देने वाला अकेले मांसाहार पर कभी नहीं जी सकता है...! **-नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद**

अष्टापद तीर्थ यात्रा एवं कश्मीर भ्रमण के लिए यात्रियों का दल रवाना

सुरेश चंद्र गांधी. शाबाश इंडिया

नौगामा जिला बांसवाड़ा। 28 मई को अष्टापद तीर्थ यात्रा एवं कश्मीर एवं पर्यटन स्थल पर यात्रा हेतु 51 यात्रियों का दल रवाना हुआ। इस यात्रा दाल में वागड़ के नौगामा परतापुर आजना अरथुना के यात्री यात्रा कर रहे हैं। यात्री दल प्रसिद्ध तीर्थ क्षेत्र पदमपुरा, सांगानेर, रानीला तीर्थ क्षेत्र की यात्रा करते हुए अमृतसर, स्वर्ण मंदिर, जलियांवाला बाग, वाघा बॉर्डर होते हुए पहलगाम, श्रीनगर लाल चौक, गुलमर्ग ,सोनमार्ग की यात्रा कर पर्यटन स्थलों का आनंद लेकर चंडीगढ़, ऋषिकेश, हरिद्वार, उत्तराखंड का खूबसूरत अष्टापद बद्रीनाथ एवं भारत का प्रथम गांव माणा मसूरी होते हुए हस्तिनापुर तिजारा बड़ागांव जहाजपुर यात्रा करेंगे। इस अवसर पर आज महावीर इंटरनेशनल शाखा नौगामा एवं जैन समाज द्वारा सभी यात्रियों को शुभ यात्रा हेतु शुभकामनाएं प्रेषित की एवं सभी यात्रियों को तिलक लगाकर ऊपरना उडाकर सम्मान किया । इस अवसर पर महावीर इंटरनेशनल के अध्यक्ष सुरेश चंद्र गांधी, शाखा सचिव कैलाश पंचोली, विधानाचार्य रमेश चंद्र गांधी, सरक्षक डॉक्टर अजीत गांधी, संरक्षक सुरेश चंद्र मोदी, डॉ पद्मेंद्र पंचोली, राजेंद्र गांधी, समाजसेवी प्रदीप पिंदरमिया, कल्पेश मोदी, प्रदीप शाह, डॉ उज्जवल, दीपेश जैन, विकेश गांधी आदि उपस्थित थे। इस अवसर पर महावीर इंटरनेशनल शाखा नौगामा के अध्यक्ष सुरेश चंद्र गांधी ने बताया कि सभी यात्री दल पर्यटक स्थलों पर पर्यटन करते हुए 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस इन पर्यटन स्थल पर मनाएंगे।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com